बचत एक सुरक्षा कवच

प्रो. (डॉ.) सोहन राज तातेड़,
पूर्व कुलपति सिंघानिया विश्वविद्यालय, राजस्थान

बचत का अर्थ है–अपनी कमाई में से बचाकर के रखना। अर्जन और विसर्जन साथ–साथ होना चाहिए। प्राचीनकाल में बार्टर सिस्टम के द्वारा आदान–प्रदान होता था। लोगों सामानों का आदान–प्रदान करके जीवनयापन करते थे। उस समय आवश्यकताएं कम थीं। धीरे–धीरे आवश्यकताएं बढ़ती गयी और उसी के अनुरूप व्यवस्थाएं भी बदलती गयी। आधुनिक काल की व्यवस्था बचत और सुरक्षा को महत्व देती है। जीवन में बचत करना बहुत जरूरी है। आवश्यकता पड़ने पर बचत की गयी धनराशि काम आती है। भारतीय जीवन पद्धति ब्रह्मचर्य, गृहस्थ, वानप्रस्थ और सन्यांस पर आधारित थी। ब्रह्मचर्य विद्याध्ययन का काल था। शिष्य गुरु के आश्रम में जाकर गुरु की सेवा करता था और गुरु अनासक्त भाव से शिष्य को शिक्षित कर संस्कारवान बनाता था। गृहस्थ आश्रम एक महत्वपूर्ण आश्रम था। इस आश्रम में मनुष्य रोटी, कपड़ा, मकान, शिक्षा और चिकित्सा की व्यवस्था करता था। कृषि कार्य के द्वारा समाज का भरण–पोषण होता था। वानप्रस्थ आश्रम गृहस्थ त्याग और संन्यास के बीच का आश्रम था। सन्यांस आश्रम में व्यक्ति सब कुछ त्यागकर एकान्तवासी हो जाता था। आश्रम व्यवस्था में लोगों की आवश्यकताएं कम थीं। इसलिए बचत के उपाय भी कम थे।

आजकल बचत करने के लिए जीवन बीमा निगम बैंक या इसी प्रकार की संस्थाएं कार्य कर रही हैं। इनके माध्यम से व्यक्ति अपने कमाई का बचा हुआ धन जमा करता है और मुसीबत आने पर सुरक्षित किया हुआ धन उसके काम आता है। बचत करने के लिए मनुष्य को अपने बजट के अनुसार ही कार्य करना चाहिए। जितनी आय है उसी के अनुरूप खर्च करना चाहिए और उसी में से बचाकर भविष्य के लिए सुरक्षित रखना चाहिए। आज का बचत किया हुआ धन भविष्य की आवश्यकताओं को पूरा करता है। इसीलिए बचत को सुरक्षा कवच कहा गया है। बचत करना एक अच्छी आदत है। बचत करने से संग्रह हो जाता है और संकटकाल में

काम आता है। कहा गया है कि बूंद–बूंद से भरे सरोवर, इसका अर्थ यह हैं कि वर्षा की एक–एक बूंद मिलकर एक तालाब को भर देती है। इन्हीं छोटी–छोटी बूंदों से विशाल नदियां बन जाती हैं। समुद्र में पाया जाने वाला जल इन्हीं छोटी–छोटी बूंदों से मिलकर बना हुआ है। यदि हम अपने जीवन में छोटी–छोटी बचत और संयम को अपनाये तो उनसे प्राप्त होने वाले लाभ के द्वारा जीवन को सुखमय बना सकते है।

मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है। गृहस्थ जीवन चलाने के लिए अर्थ की आवश्यकता पड़ती है। आवश्यकताएं बिना धन के पूरी नहीं हो सकती। कई बार हमें अचानक पैसों की जरूरत पड़ जाती है, लेकिन हमारी जेब में एक पैसा भी नहीं रहता है। उस समय हम महसूस करते हैं कि यदि हम अपनी आमदनी में से कुछ पैसे बचाये होते तो आज वह पैसा हमारे काम में आता। इसलिए हम अपने जीवन में पैसो की बचत करना सीखे। भविष्य में कब जरूरत पड़ जाये इसका पता नहीं रहता। भविष्य को सुरक्षित रखने के लिए धन के सम्बन्ध में छोटी–छोटी बचते बहुत ही महत्वपूर्ण है। इसमें कोई शक नहीं हैं कि कम आमदनी वाला व्यक्ति भी अधिक रकम जमा कर सकता है। लेकिन वह थोड़ी सावधानी से काम ले तो जरूर ही पैसा बचा सकता है। छोटी बचतों का अर्थ यह है कि व्यक्ति अपनी सीमित आमदनी में से कुछ न कुछ बचाने की कोशिश करें।

छोटी बचते करने के लिए आर्थिक नियोजन के स्तर को योजनाबद्ध बनाना चाहिए। बचत चाहे छोटी से छोटी क्यों ना हो, खर्चों में से कुछ न कुछ निकाल लेना चाहिए। ये बचतें चाहे कमाई का पांच या छः प्रतिशत ही क्यों न हो। बचतों को संग्रह करने के लिए पोस्टऑफिस या बेंकों में खाते खोलकर नियमित रूप से उसमें जमा कराते रहना चाहिए। वहां पर इन पैसों का ब्याज भी मिलेगा और यह रकम वहां सुरक्षित भी रहेगी। ये थोड़े–थोड़े पैसे समय के अन्तराल के साथ लाखों तक पहुंच जायेंगे जो किसी संकट की घड़ी में काम आयेंगे। बैंकों और डाकखानों में छोटी बचतों को प्रोत्साहित करने के लिए अनेक योजनाएं चलायी जाती है। कम्पनियों के भिन्न–भिन्न प्रकार के बान्ड भी होते हैं जिनको खरीदकर पैसा बचाया जा सकता है। हर व्यक्ति अपनी आमदनी के अनुसार इसका फायदा उठा सकता है। हर महीने अपनी

आमदनी में से इन योजनाओं में पैसा जमा करते रहना चाहिए और धीरे–धीरे यह रकम बढ़कर अधिक हो जायेगी और संकट के समय काम आयेगी। सरकारी खजानों में जमा यह पैसा सरकारी योजनाओं में लगता रहता है। इससे देश की योजनाएं भी सफल होती है और देश का फायदा होता है। बचत करने वाले को भी अवधि की समाप्ति पर ब्याज सहित एक मोटी रकम मिल जाती है। इन पैसों से आवश्यकता पड़ने पर अपने मनपसन्द वस्तुएं भी खरीद सकते है। बच्चों में भी बचत की आदत डालनी चाहिए। बचत करने से एक फायदा यह भी हैं कि मनुष्य में एक नया आत्मविश्वास पैदा होता है, क्योंकि भविष्य की जरूरत को पूरा करने के लिए पैसों की बहुत ज्यादा चिंता नहीं रहती है। भविष्य में आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए किसी के सामने हाथ फैलाना भी नहीं पड़ता है।